हिंदी साहित्य का इतिहास

भाग-2

आन लाइन अध्यापन / भ्रम निवारण समय

प्रातः 8-00 बजे से 9-30 भाषाशास्त्र एवं

सायं 5-30 बजे से 7-00 हिंदी साहित्य का इतिहास

ZOOM ID - 261-891-6758 / मोबाईल नं. 9473030984

संशोधन अपेक्षित है

इंटर से स्नातकोत्तर एवं हिंदी भाषा एवं साहित्य के - यूजीसी एवं सिविल सर्विसेज के अखिल भारतीय परीक्षार्थी / प्रतियोगी (सबके लिए उपलब्ध)

प्रो.शिवचन्द्र सिंह

प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष हिंदी

रामेश्वरदास पन्नालाल महिला महाविद्यालय, पटना सिटी

पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना

सगुण काव्य परंपरा
कृष्णाश्रयी या कृष्ण काव्य परंपरा

अष्टछाप संस्थापक - बल्लभ एवं विट्ठल

श्रेष्ठ भक्त कवि - सूरदास (सूरसागर, सूरसारावली, भ्रमरगीत, साहित्य लहरी)

नंददास (भंवरगीत, रासप्रचाध्यायी)

कुंभनदास (संतन को कहां)

परमानंद दास (परमानंदसागर)

छीतस्वामी (पदावली)

गोविंद स्वामी(सु गायक-तानसेन)

कृष्णदास(फुटकर रचना)

चतुर्भुजदास (कीर्तन संग्रह)

मीराबाई (पदावली)

रसखान (सुजान रसखान)

विशेषताएं

कृष्णलीला वर्णन

पुष्टिमार्गीय भक्ति

मुक्तक काव्य

प्रतीकात्मक पात्र

सगुण भक्ति का मण्डन

अवतारवाद

उपजीव्य श्रीमद्भागवत-मौलिकता

भाषा एवं शैली

सगुण काव्य परंपरा

रामाश्रयी या रामकाव्य परंपरा

श्रेष्ठ रामभक्त संत कवि- तुलसीदास

(रामचरितमानस, विनयपत्रिका, गीतावली, कवितावली,दोहावली, बरबै रामायण)

अन्य रामभक्त कवि

अग्रदास (अष्टयाम, ध्यानमंजरी)

केशवदास (रामचद्रिका)

ईश्वरदास (भरत मिलाप)

नाभादास (भक्तमाल)

माधवदास (अध्यात्म रामायण)

निराला (राम की शक्तिपूजा)

गुप्त जी (पंचवटी, साकेत)

रामावतार (अरुण रामायण)

नरेश (संशय की एक रात)

विशेषतायें

- उपजीव्य वाल्मीकि रामायण
- रामलीला वर्णन
- समन्वयवादी काव्य
- प्रतीकात्मक पात्र
- सगुण भक्ति की श्रेष्ठता
- मर्यादा पुरुषोत्तम अवतारवाद
- लोक मंगल का काव्य
- अवधी भाषा
- प्रबंध शैली

रीतिकाल या श्रृंगार काल
ई.1700-1900

मुख्य प्रवृतियां

रीति निरुपण

सर्वांग विवेचन

काव्य के समस्त अंग जैसे रस, गुण, अलंकार, ध्वनि, वक्रोक्ति, रीति,वृति आदि का का एक ही ग्रंथ में वर्णन

देव- शब्द रसायन,

चिंतामणि-कवि कल्प तरु

विशिष्टांग विवेचन

उपर्युक्त काव्यांगों में से कोई एक अंग का वर्णन

मतिराम- अलंकार पंचाशिका

चिंतामणि- छंदविचार

श्रृंगारिकता

रीतिसिद्ध-

केशव-कविप्रिया, रसिक प्रिया

रीतिबद्ध-

बिहारी एवं मतिराम सतसई,

रीति मुक्त-

घनानंद-सुजानचरित/सुजान शतक

आलम-आलमकेलि

ठाकुर-ठाकुर शतक

बोधा-इश्कनामा

गौण प्रवृतियां

- राज प्रशस्ति गायन
- भक्ति भावना आगे के सुकवि
- नीति के दोहे -नहिं पराग
- अलंकार प्रेमी
- स्वकीया एवं परकीया प्रेम
- उहात्मकता
- प्रकृति का उद्दीपन
- मौलिकता का अभाव

आधुनिक काल

1843 -2020

तीव्र एवं अल्पकालिक-परिवर्तनीय प्रवृतियाँ

भारतेन्दु युग
पुनर्जागरण काल 1850-1900
द्विवेदी युग
जागरण सुधार काल 1900-1920
छायावाद 1920-1935
प्रगतिवाद 1935-1940
प्रयोगवाद 1943-1976
उतर आधुनिकता 1950 से

नई कविता, अकविता, नकेनवाद
नई कहानी, सहज कहानी, समांतर कहानी
नारीवादी साहित्यांदोलन
दलित साहित्यांदोलन

भारतेन्दु युग पुनर्जागरण काल

1850-1900

विशेषतायें
भारतेन्दु मंडली
आधुनिक हिंदी के अग्रदूत
देशप्रेम-सीमित राष्ट्रीयता
नवीन विधा-विधायक
देशप्रेम-सीमित राष्ट्रीयता
समस्यापूर्ति
पत्रकारिता
नारी चेतना-समाज सुधार
काव्यभाषा

नव जागरण के अग्रदूत भारतेन्दु

भारतेन्दु मंडली के कवि

प्रतापनारायण मिश्र, राधाचरण गोस्वामी, राधाकृष्ण दास, श्रीधर पाठक, किशोरीलाल गोस्वामी
ठाकुर जगमोहन सिंह, देवकीनंदन खत्री, बद्रीनारायण चैधरी 'प्रेमघन, बालकृष्ण भट्ट

द्विवेदी युग-जागरण सुधार काल

1900-1920

जागरण-सुधार के देवदूत महावीर

महावीर शिष्य परंपरा

विशेषतायें

हिंदी भाषा-साहित्य के उद्धारक
नव विधाओं के परिष्कर्ता
अतीत गौरव-देशप्रेम-राष्ट्रीयता
नवीन एवं साधारण काव्य
काव्य रूपों की अनेकता-व्यापकता
उपेक्षिताओं के उद्धार
अनुवाद कार्य
अनुशासित पत्रकारिता
मानवतावादी साहित्य
इतिवृत्तात्मकता
बौद्धिकता की प्रधानता

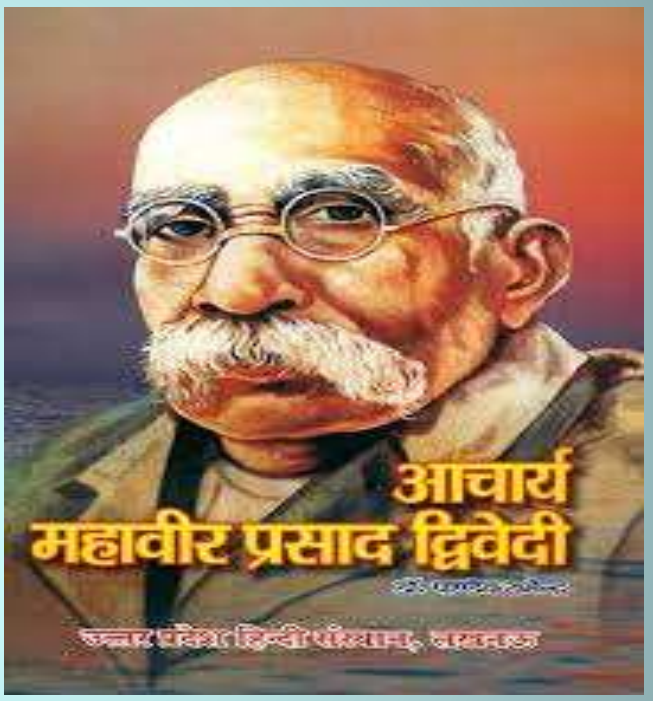

महावीर प्रसाद द्विवेदी युगीन कवि

जगन्नाथ दास रत्नाकर, अयोध्या सिंह हरिऔध, श्यामसुंदर दास, रामनरेश् त्रिपाठी, रामचंद्र शुक्ल, जयशंकर प्रसाद, प्रेमचंद, निराला, मैथिलीशरण गुप्त, लालाभगवान दीन, सियारामशरण गुप्त,राजा राधिकारमण सिंह, हीरा डोम, चंद्रधर शर्मा गुलेरी

छायावाद 1917-1936

चार स्तंभ - प्रसाद, पंत, निराला और वर्मा

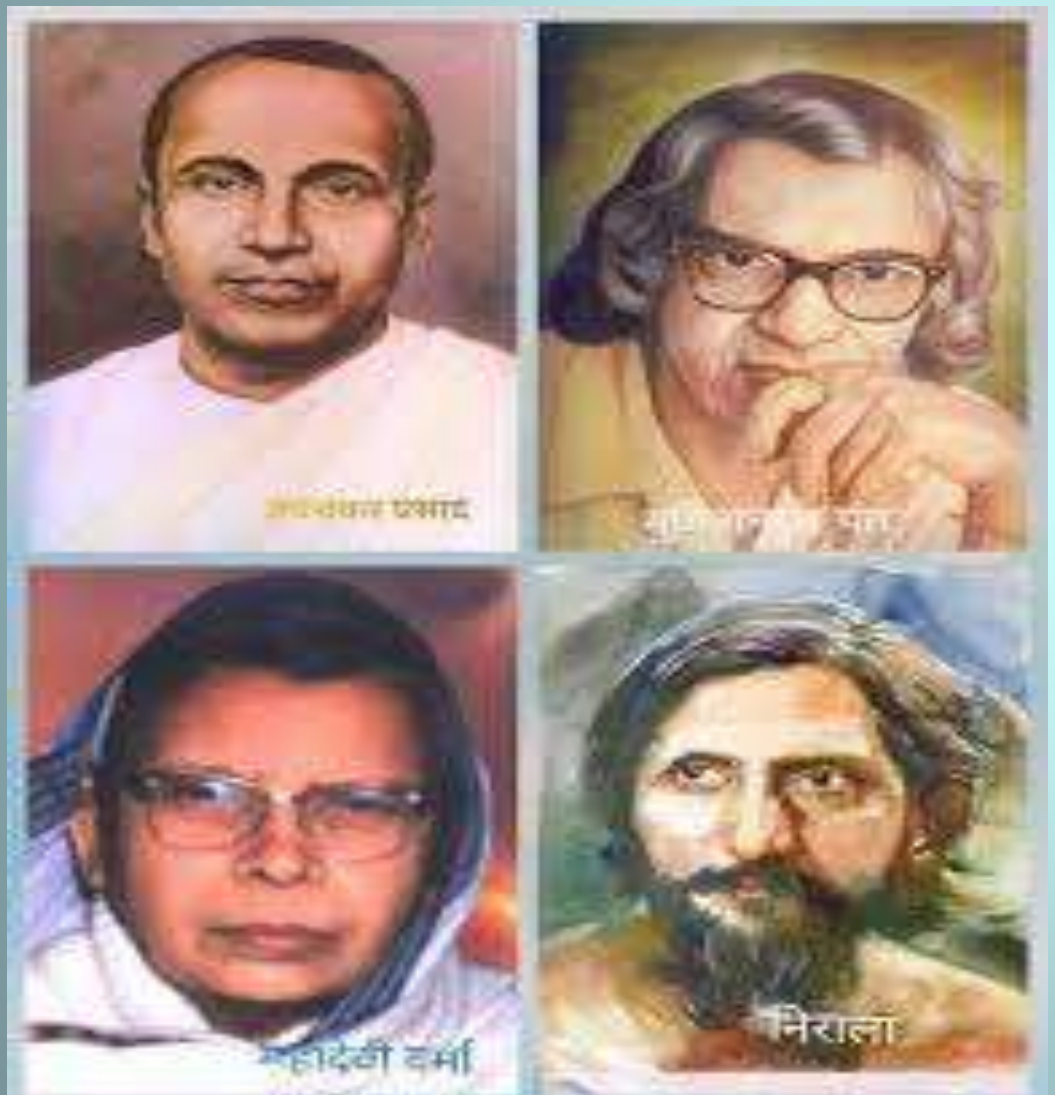

➢विशेषतायें

- विलायती उत्थान
- ऐकांतिकता का प्रेमी-पलायनवादी
- वेदना और निराशावादी
- स्वानुभूति की विवृति
- व्यक्ति की प्रधानता
- मानवतावादी
- बदलते मानव-मूल्य-वाहक
- प्रेम-देशप्रेम, मानव प्रेम, प्रकृति-प्रेम
- रहस्यवादी
- चित्रात्मकता-लाक्षणिकता-बिंबवादी
- संगीत एवं गेयता
- कला कला के लिए

उत्तर छायावाद-प्रगतिवाद 1936-1940

विशेषतायें

- शोषितों-मजदूरों के प्रति करुणा
- रूढ़ियों एवं सूक्ष्मता का विरोध
- सामाजिक जीवन का यथार्थ चित्र
- क्रांति की भावना
- वेदना और निराशा
- नारी चित्रण
- मानवतावाद
- मार्क्स तथा रूस का गान
- समयिक संसार पर नजर
- कला-भाषा एवं शैली

रचनाकार एवं रचनायें

- पंत - युगांत, ग्राम्या
- निराला- कुकरमुता
- नागार्जुन- युगधारा
- रांगेय राघव- मेधावी
- शिवमंगल सिंह सुमन-प्रलय सृजन
- त्रिलोचन- धरती
- भारतभूषण- जागते रहो

उत्तर छायावाद-प्रयोगवाद 1943-1959

तार सप्तक- 1943, 1951, 1959 एवं 1979

विशेषतायें

घोर अहंनिष्ठ व्यक्तिवादी
अति नग्न यथार्थवाद
अति बौद्धिकता
निराशावादी
अतिनग्न यथार्थवाद
वैज्ञानिक युगबोध का प्रसारक
वैज्ञानिक युगबोध
नये मूल्यों की स्थापना
रीतिकाव्य की पुनरावृत्ति
नूतन प्रतीक एवं उपमान
मध्यमर्गीय जीवन की विवशता बोध
नयी राहों का अन्वेषक
आत्म संघर्ष के साथ समाज संघर्ष
कला-भाषा एवं शैली

प्रथम तार सप्तक - 1943 - अज्ञेय, मुक्तिबोध, नेमिचंद्र जैन, भारतभूषण अग्रवाल, प्रभाकर माचवे, गिरिजाकुमार माथुर, रामविलास शर्मा

द्वितीय तार सप्तक- 1951 -भवानी प्रसाद मिश्र, शकुंत माथुर, हरिनारायण व्यास, नरेश मेहता, रघुवीर सहाय, धर्मवीर भारती, शमशेर बहादुर सिंह

तृतीय तार सप्तक- 1959 - कुंवरनारायण, कीर्ति चैधरी, सर्वेश्वर दयाल, प्रयाग नारायण, मदन वात्सयायन, केदार नाथ सिंह, विजयदेव नारायण साही

चतुर्थ तार सप्तक- 1979-अवधेश कुमार, राजकुमार कुंभज, राजेन्द्र किशोर. स्वदेश भारती,नंदकिशोर आचार्य,सुमन राजे, श्रीराम वर्मा,

उत्तर छायावाद-नयी कविता 1959-अबतक

नवोन्मेषक कवि

जगदीशचंद्र गुप्त, रामस्वरूप चतुर्वेदी एवं विजयनारायण साही-1953 में नई कविता

विशेषतायें

- अहंनिष्ठता के साथ लोक संपृक्ति
- अनुभूति की सच्चाई एवं यथार्थ चित्रण
- बौद्धिक यथार्थ दृष्टि
- क्षणवाद में विश्वास
- वैज्ञानिक युगबोध
- आधुनिकता में आस्था
- परंपरा विरोध एवं नये मूल्यों की स्थापना
- नूतन प्रतीक एवं उपमान
- मध्यमवर्ग एवं लघु मानववाद
- नयी राहों का अन्वेषक
- महानगरीय बोध - एकाकीपन
- आत्म संघर्ष के साथ समाज संघर्ष
- कला-भाषा एवं शैली

दलित साहित्य परंपरा

दलित साहित्य की दिशा और दशा

विशेषतायें

अस्मिता की तलाश
गुलामी से मुक्ति का गीत
भोगे हुए सत्य का-पीड़ा का चित्रण
स्वतंत्राता, समानता, बंधुत्व आधरित समाज
लिंग-जातिविहीन मानववादी मूल्य स्थापना
सामाजिक न्याय और दलित साहित्य
शोषण के विरूद्ध आक्रोश

नारी मुक्ति का हिमायती
नई दुनिया के सृजन की छटपटाहट
इतिहास के काले पन्नों की पुताई
सत्ता में भागीदारी: मेरा अध्किार
प्रतिक्रियावादियों से समझौता नहीं
नूतन कला मूल्यों की स्थापना
पुराणपंथी अंध्विश्वासों से मुक्ति
परिवर्तनकामी साहित्य

दलित चिंतक-लेखक-कवि-चिंतक

ज्योतिबा राव फुले, अछूतानंद, पेरियार, अंबेदकर, हीरा डोम, ओमप्रकाश वाल्मीकि, एच एल दुसाध, मोहन दास नैमिशराय, जयप्रकाश कर्दम, तेजसिंह, एन सिंह,श्यौराज सिंह बेचैन, मुद्राराक्षस, चंदभान प्रसाद,डा. चौथीराम यादव, डा. भूरेलाल,दया पवार, कावेरी,बुद्धशरण हंस उर्फ दलित पासवान, मुसाफिर बैठा, कालीचरण स्नेही, रमा पांचाल, कावेरी, रमणिका गुप्ता, रमाशंकर आर्य, कोशल्या बैसंत्री, अभय कुमार दूबे, मधुकर सिंह, जियालाल आर्य, शिवचन्द्र सिंह, रामधारी सिंह दिवाकर, कुसुम मेघवाल, पुरुषोत्तम सत्यप्रेमी